भारत सरकार
Government of India
केन्द्रीय जल आयोग
Central Water Commission
बाढ़ पूर्वानुमान प्रबोधन निदेशालय
Flood Forecast Monitoring Directorate
Tele : 011-29583829, 29583545
e-mail : fmdte@nic.in, ffmcwc@gmail.com

भू तल, विंग 7 , पश्चिमी खण्ड–2,
रामाकृष्ण पुरम, नई दिल्ली–110066

विषय : दिनांक 08/08/2024...... की समाचार की कतरन (News Clippings) प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में ।

मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचारों की कतरन (News Clippings) अवलोकन हेतु प्रस्तुत हैं :

सलंग्न : उपरोक्तानुसार

Mahima 08/08/2024
(~~सहायक निदेशक~~) EAD (HM

उपनिदेशक 08/08/2024

निदेशक (बा.पू.प्र.)

हिन्दुस्तान 08/08/2024

हिन्दुस्तान www.livehindustan.com

मंदाकिनी नदी पर बने पुल के बहने से राहत-बचाव कार्य बाधित

सोनप्रयाग में सेना का बनाया अस्थायी पुल बहा

बारिश से आफत

रुद्रप्रयाग, संवाददाता। सोनप्रयाग में मंदाकिनी नदी पर सेना द्वारा बनाया गया अस्थाई पुल मंगलवार रात मंदाकिनी के तेज बहाव में बह गया। इससे राहत एवं बचाव अभियान में फिर मुश्किलें पैदा हो गईं हैं। बुधवार को पुल बहने के कारण गौरीकुंड से सोनप्रयाग आने वाले लोगों को मुनकटिया से पहाड़ी क्षेत्र से होते हुए सोनप्रयाग आना पड़ा।

बताते चलें कि बीती 31 जुलाई को भारी बारिश के चलते केदारनाथ पैदल मार्ग में हुए भूस्खलन के चलते मंदाकिनी नदी उफान पर आई और केदारनाथ हाईवे सोनप्रयाग में करीब 150 मीटर ध्वस्त हो गया जिससे यहां आवाजाही ठप हो गई। गौरीकुंड से लोग सोनप्रयाग की तरफ नहीं आ सके। सोमवार को सेना से सोनप्रयाग में सोन गंगा और मंदाकिनी के करीब मंदाकिनी नदी पर अस्थाई पुल बनाना शुरू किया जबकि मंगलवार को सेना ने पुल बनाकर तैयार किया जिससे बड़ी संख्या में यात्रियों को रेस्क्यू कर पार गया था।

सोनप्रयाग में इसी स्थान पर बनाया गया था सेना द्वारा अस्थाई पुल। • हिन्दुस्तान

हिमाचल के कई हिस्सों में बारिश, ऑरेंज अलर्ट जारी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश होने के कारण भूस्खलन की घटनाएं हुई और पेड़ उखड़ गए। मंडी जिले के जोगिंदर नगर में 24 घंटों में सबसे अधिक 110 एमएम बारिश हुई। स्थानीय मौसम कार्यालय ने गरज के साथ बारिश को लेकर 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है।

नालंदा में एक नदी उफनाई तो दूसरी पानी को तरसी

नालंदा में सामान्यतया सूखी रहने वाली लोकाइन नदी ने तबाही मचायी है। • हिन्दुस्तान

नालंदा में पंचाने नदी पानी को तरस रही है। • हिन्दुस्तान

बारिश की प्रकृति बदली

नदी विशेषज्ञ दिनेश मिश्रा के अनुसार नदियों की इस प्रकृति का बड़ा कारण अनियमित बारिश है। बारिश की प्रकृति बदल गयी है। एक स्थान पर बारिश होती है तो वहीं बगल में नहीं होती।

कब से ऐसी स्थिति

विशेषज्ञों का कहना है कि नदियों के व्यवहार में अंतर तो 90 के दशक से ही प्रारंभ हो गया है। पिछले एक दशक से ऐसी स्थितियां बढ़ी हैं। तीन-चार वर्षों में नदियों के सूखने का सिलसिला तेज हुआ।